

अमरकंठ से आई रेवा मैया
 अमरकंठ से आई रेवा मैया
 ये लहर-लहर ऊँची-नीची सी डगर
 रेवा दर्शन दो sssss दर्शन दो sssss

अमरकंठ से-----

भूरे-भूरे मंगरा ये तेरी हैं सवारी
 माहिमा तेरी-ओ रेवा-जग से न्यारी
 -भव पार करो-~~मर्क~~-उद्धार करो-~~मर्क~~-
 रेवा दर्शन दो sssss दर्शन दो sssss

अमरकंठ से-----

पहली बार जब धरती पे आई
 कौन सम्हाले-भार हो sssss
 हाथ जोड़ विनती मुनि कीन्ही
 निकली अँसुअन धार हो sssss

रेवा बनी फिर इतनी भोली ॥२॥
 आई करन उपकार हो sssss

अमरकंठ से-----

घाट-घाट में आय विराजीं
 कर सोलह शृंगार हो ॥१॥
 हर कदमों पे देखी है मैंने
 सिद्धों की भरमार हो ॥२॥
 रो-रो बारम्बार पुकारें ॥३॥
 तुम ही एक आधार हो ॥४॥

(अमरकंठ से)-----

साँझ-सबेरे-श्री ओंकारेश्वर में
 हुई "श्री बाबा श्री" जयकार हो ॥५॥
 शूलपांडेश्वर सुरधाम बना है
 जगमग ज्योत अपार हो ॥६॥
 रत्नासागर में हैं समाई ॥७॥
 दिया जनम का सार हो ॥८॥

(अमरकंठ से)-----